



नजरबटू (कहानी)



अध्ययन से पूर्व



कहानी का मूल तत्व

मधुर वाणी द्वारा हम किसी को भी अपना बना सकते हैं।



अरे! चलो, शाम हो रही है... सभी पक्षियों को इकट्ठा करते हुए कौआ सरदार और झुंड उड़ चला पास के खेतों की ओर... फ़सल कटने का समय जो हो गया था... सारे खेत में फ़सल पक चली है और खेत लहरा रहे हैं। कौआओं का एक दल रोज़ की तरह रामू चाचा के खेत की तरफ़ चल पड़ा। रामू चाचा के खेत मानो सोना उगल रहे थे, और रखवाली करने वाले चाचा भी अब बूढ़े हो चले थे। कौआओं को खूब मौका मिलता था, पेट भरकर अनाज चुगने का। मगर आज जैसे ही वे खेत के पास पहुँचे, अरे! यह क्या? यहाँ तो कोई खेत में खड़ा है। “कहीं रामू चाचा ने कोई रखवाला तो नहीं रख लिया है?”



कौए सोच में पड़ गए। कौआओं का सरदार बोला, “तुम सब यहीं रुको, मैं देखकर आता हूँ।” सारे कौए वहीं पास के पेड़ की टहनियों पर बैठ सुस्ताने लगे और सरदार कौआ धीरे-से उस रखवाले के पास गया। रखवाले ने छींट वाली धोती और सफ़ेद कुर्ता पहना था, लाल रंग की पगड़ी लगाई थी और चेहरे पर थी बड़ी-बड़ी मूँछें... दोनों हाथ फैलाए वह शान से खेत में खड़ा था। सरदार कौआ डरते-डरते उसके सामने गया और धीमे-से बोला, “नमस्ते! क्या आप खेत के रखवाले हैं?”

रखवाले ने घूरकर उसे देखा और बोला, “मैं हूँ नजरबट्टू, इस खेत का नया रखवाला... लोग मुझे काग-भगौड़ा भी कहते हैं। मेरे रहते तुम खेत को नुकसान नहीं पहुँचा सकते।” “नहीं, नहीं भैया। हम खेत को नुकसान पहुँचाने नहीं बल्कि ठंडी हवा लेने आते हैं। अगर हमें नीचे गिरे दाने दिखे तो खा लेते हैं।”

इससे आपको तो कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। कौए सरदार के इतना कहते ही नजरबट्टू ने उसे घूरकर देखा। कौआ सरदार उड़कर नजरबट्टू के कंधे पर जा बैठा और धीमे-से अपने पंख उसके कान में छुआ दिए। नजरबट्टू को गुदगुदी होने लगी और वह मुस्कुरा दिया। कौए सरदार ने पूछा- “तो हम खा लें थोड़े-से दाने?”

नजरबट्टू के हाँ कहते ही कौए सरदार ने लंबी सीटी मारी और देखते-ही-देखते अपने साथियों को दाने खिलवाने और बातें करने का काम एक साथ करने लगा। जल्दी ही दोनों दोस्त बन गए। अचानक कौए सरदार का ध्यान नजरबट्टू के पैरों की तरफ़ गया। और वह बोला, “नजरबट्टू भैया, सारा दिन एक ही स्थान पर खड़े आप थक नहीं जाते? क्या घूमते-फिरते नहीं हो?”

“नहीं सरदार, मैंने चलना सीखा ही नहीं।”

“अरे! कोशिश तो करो, आप तो उड़ना भी सीख सकते हैं।” कौआ सरदार उत्साह से बोला... बस पंखों की जगह हाथ फैलाइए, एक पाँव बढ़ाइए, शरीर को ऊपर खींचे और उठ जाइए धरती से ऊपर... तभी नजरबट्टू को किसी की आवाज़ सुनाई दी। वह आवाज़ कौओं के झुंड की थी जो अपने सरदार को वापस आने का इशारा दे रहे थे। “मैं आपको कल उड़ना सिखाऊँगा, फिर जल्दी ही आप उड़कर सारी दुनिया देख सकेंगे।” कहकर कौआ सरदार तो उड़ गया, मगर नजरबट्टू को सोचने के लिए विवश कर गया।



“क्या मैं भी उड़ पाऊँगा? दूर-दूर तक, सारी दुनिया को देख पाऊँगा?” उसने धीरे से एक पाँव आगे बढ़ाया, शरीर को खींचा, हाथ फैलाए और ये क्या... वह तो सचमुच उड़ रहा था, खेतों के ऊपर, जंगल, नदी, पहाड़ पार करता... नए-नए लोग मिले, नए-नए जानवर दिखे। बच्चे उसे उड़ते देख खुश हो रहे थे। किसी ने उसकी मूँछों की तारीफ़ की, किसी ने पगड़ी की। उड़ते-उड़ते वह थक गया, तो **सुस्ताने** के लिए एक बगीचे में उतरा। वहाँ के रखवाले ने उसे खाने के लिए फल दिए। रखवाले को देखकर अचानक नजरबटू को रामू चाचा याद आ गए। उसने सोचा, “उसे खेत में न पाकर बेचारे कितने परेशान होंगे, बुढ़ापे में कैसे खेत की रखवाली करेंगे। मुझे वापस जाना होगा..” नजरबटू उठ खड़ा हुआ और एक पाँव बढ़ाकर, हाथ फैलाकर उड़ने की **कोशिश** में वह ‘धड़ाम’ से गिर पड़ा। “मुझे वापस जाना है!” बुदबुदाते हुए उसने आँखें खोली। “धत् तेरे की, शुक्र है कि यह स्वप्न ही था, सच नहीं।” नजरबटू अपनी मूँछों पर ताव देता हुआ मुस्कराया। अब उसे कौए सरदार के आने का बेसब्री से इंतज़ार था ताकि वह उसे अपने सपने के बारे में बता सके।

शब्दार्थ

झुंड = समूह

टहनियों = शाखाओं

परेशानी = दिक्कत

इशारा = संकेत

विवश = मज़बूर

सुस्ताने = आराम

कोशिश = प्रयास

उच्चारण करें

कुर्ता

मूँछें

नजरबटू

बढ़ाईए

बुदबुदाते

शिक्षण संकेत-

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में काग-भगौड़ों के विषय पर चर्चा करें कि उन्होंने क्या कभी अपने खेतों में काग-भगौड़ों का उपयोग किया है?

अभ्यास कार्य



ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

- (क) कौओं का झुंड इकट्ठा होकर कहाँ गया था?
- (ख) खेत में क्या लहरा रही थी?
- (ग) कौओं को खेत में कौन खड़ा दिखाई दिया।
- (घ) नजरबटू स्वप्न में कहाँ पहुँच गया था?



ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- (क) कौओं का झुंड कहाँ और क्यों जा रहा था?

.....

- (ख) कौए सरदार ने खेत में जिसे देखा, वह कौन था? उसे वहाँ क्यों रखा गया था?

.....

- (ग) कौए सरदार ने नजरबटू को उड़ना कैसे सिखाया?

.....

- (घ) नजरबटू ने स्वप्न में खुद को कहाँ-कहाँ घूमते देखा?

.....

- (ङ) नजरबटू वापस खेत क्यों लौटना चाहता था?

.....

3. किसने, किससे कहा? लिखिए।

- (क) चलो, शाम हो रही है।

.....



(ख) “तुम सब यहीं रुको, मैं देखकर आता हूँ।”

(ग) “तो हम खा लें थोड़े-से दाने?”

(घ) धत् तेरे की, यह तो स्वप्न था।



ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. प्रस्तुत कहानी से मिलती-जुलती एक अन्य कहानी सोचिए और यह बताइए कि उस कहानी से क्या निष्कर्ष निकलता है?



ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।

(क) धोती -

(ख) मूँछ -

(ग) पगड़ी -

(घ) कौआ -

(ङ) कुर्ता -

(च) माता -

6. दिए गए शब्दों में ‘ई’ जोड़ते हुए नए शब्द बनाइए।

(क) पगड़ + ई = ...

(ख) गुदगुदा + ई = ...

(ग) परेशान + ई = ...

(घ) सीट + ई = ...

(ङ) रखवाल + ई = ...

(च) मार + ई = ...



ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

7. पक्षियों को खेतों से दूर रखने के लिए नजरबटू के अलावा क्या किसान कोई और तरीका भी निकाल सकते हैं? सोचकर लिखिए।





जरा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

8. नजरबटू बनाने के लिए हमें जिन वस्तुओं की आवश्यकता पड़ेगी, उन पर गोला (○) लगाइए।

सूखी घास

कपड़े

मटका

रस्सी

पक्षी

दाने

पानी

मुकुट

कीले

नल



जरा रंग भरिए

Art Integrated Activity

9. नजरबटू का चित्र बनाकर रंग भरिए एवं उसे एक नया नाम भी दें।



जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills and Value Based Questions

10. मृदुभाषी होने के अलावा और क्या तरीके हो सकते हैं जिसके द्वारा हम दूसरों के हृदय में अपनी पहली छवि बना पाएँगे? कक्षा में चर्चा करते हुए लिखिए।

